फ़्रांसीसी चुनावों की प्रक्रिया और अवलोकन तथा बदलते राजनीतिक मायने

चर्चा में क्यों?

- राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा संसद को भंग करने के अप्रत्याशित कदम के बाद 30 जून को हुए फ्रांसीसी चुनावों के शुरुआती दौर में, दक्षिणपंथी नेशनल रैली (RN) और उसके समर्थक 33% वोट शेयर के साथ सबसे आगे निकल गए।
- न्यू पॉपुलर फ्रंट के नाम से जाने जाने वाले वामपंथी गठबंधन ने 28% वोट के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि श्री मैक्रों के मध्यमार्गी ब्लॉक को केवल 20.7% वोट मिले।
- आगामी चुनाव का दूसरा दौर 7 जुलाई को निर्धारित है।

हालिया चुनाव के मायने

- 9 जून को राष्ट्रपति मैक्रोन ने निर्धारित समय से तीन साल पहले संसद को भंग करने की घोषणा की, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि "शांति और सद्भाव के साथ शासन करने के लिए फ्रांस को मजबूत बहुमत की आवश्यकता है।"
- यह कदम यूरोपीय संसद के चुनावों में आरएन से उनकी पार्टी की महत्वपूर्ण हार के बाद उठाया गया।

- हालाँकि इस निर्णय ने उनकी पार्टी के कई सदस्यों और समर्थकों को चौंका दिया, लेकिन आरएन नेता मरीन ले पेन ने इस निर्णय को स्वीकार करते हुए कहा, "हम इसके लिए तैयार हैं।"
- टोलुना-हैरिस इंटरएक्टिव सर्वेक्षण के अनुसार, अधिकांश जनमत सर्वेक्षण आर.एन. के लिए बढ़त का संकेत दे रहे थे (हालाँकि पूर्ण बहुमत के लिए पर्याप्त नहीं), जबकि मैक्रोन की स्वीकृति रेटिंग 36% तक गिर गई।

फ़्रांस में चुनावो की प्रक्रिया

- दरअसल, फ्रांसीसी संसद में कुल 577 सीटें हैं, जिनमें से 13 सीटें विदेशी जिलों को और 11 सीटें विदेश में रहने वाले फ्रांसीसी नागरिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले निर्वाचन क्षेत्रों को आवंटित की गई हैं।

- संसद में पूर्ण बहुमत हासिल करने के लिए, किसी पार्टी के पास कम से कम 289 सीटें होनी चाहिए।
- चुनाव के शुरुआती चरण के दौरान, उम्मीदवारों को दौड़ में बने रहने और बाहर होने से बचने के लिए स्थानीय रूप से पंजीकृत वोटों का कम से कम 12.5% प्राप्त करना चाहिए।

मरिन ले पेन और दक्षिणपंथी नेशनल रैली (RN)

- दरअसल आरएन, जिसे पहले नेशनल फ्रंट (एफएन) के नाम से जाना जाता था, की स्थापना मरिन ले पेन के पिता जीन मैरी ले पेन ने की थी।

- पार्टी की शुरुआत अल्जीरियाई युद्ध, पांचवें फ्रांसीसी गणराज्य के निर्माण और फ्रांस में मई 1968 के विरोध प्रदर्शनों की प्रतिक्रिया के रूप में हुई थी।
- पार्टी का नाम FN से RN में बदलकर, मरिन ले पेन ने पार्टी की एक बार की चरम नीतियों जैसे कि EU को छोड़ना और यूरो मुद्रा को त्यागना, को भी नरम कर दिया है।
- फ्रांसीसी संसद में पार्टी का प्रतिनिधित्व 2022 में सात से बढ़कर 89 सीटों पर पहुंच गया है, और अब 240 से 300 सीटों तक पहुंचने की आकांक्षा है।
- इसके अतिरिक्त, RN ने दक्षिणी फ्रांस के ग्रामीण कस्बों और गांवों में मतदाताओं से सफलतापूर्वक अपील की है, मुख्य रूप से ब्लू-कॉलर श्रमिक जो पेरिस में राजनीतिक प्रतिष्ठान द्वारा हाशिए पर महसूस करते हैं।

- 30 जून को पेरिस के विभिन्न हिस्सों में नस्लवादी घटनाओं में वृद्धि के साथ-साथ दूर-दराज़ विरोधी प्रदर्शनों की रिपोर्टें पहले ही आ चुकी हैं, जिनमें से कुछ हिंसक हो गए।

फ्रांस का भावी राजनीतिक परिदृश्य

- अपितु आगामी चुनावों के लिए उम्मीदवारों की सूची को अंतिम रूप देने की समय सीमा के बाद, केंद्र और वामपंथी गठबंधनों के 200 से अधिक उम्मीदवारों ने आरएन के खिलाफ वोटों को एकजुट करने के लिए अपना नाम वापस ले लिया है।
- 1936 के लोकप्रिय मोर्चे की याद दिलाने वाले नए लोकप्रिय मोर्चे का उदय, एक "गणतंत्रीय मोर्चा" बनाने के लिए एक रणनीतिक कदम है, जहाँ मध्यमार्गी और वामपंथी दल दक्षिणपंथी दलों को सत्ता हासिल करने से रोकने के लिए सेना में शामिल होते हैं।

- उन्होंने "राष्ट्रपति के सहायक" के रूप में काम न करने की इच्छा व्यक्त की और इसके बजाय फ्रांसीसी संविधान में उल्लिखित 'Cohabitation Prime-Minister' बनने का लक्ष्य रखा।
- सह-अस्तित्व गठबंधन (cohabitation) तब होता है जब राष्ट्रपति एक पार्टी से होता है और संसद को किसी दूसरी पार्टी द्वारा नियंत्रित किया जाता है।
- पिछली बार अचानक चुनाव 1997 में हुआ था, जब केंद्र-दक्षिणपंथी राष्ट्रपति जैक्स शिराक ने अलोकप्रिय राजकोषीय मितव्ययिता उपायों की एक श्रृंखला के बाद अपनी पार्टी के नियंत्रण को मजबूत करने के लिए नेशनल असेंबली को भंग कर दिया था।

- हालांकि, उनके इस कदम का उल्टा असर हुआ क्योंकि एक नई वामपंथी सरकार सत्ता में आई, जिससे सह-अस्तित्व गठबंधन की शुरुआत हुई।
- आने वाले समय में, यह स्पष्ट हो जाएगा कि क्या मैक्रोन के निर्णय से ऐसे ही परिणाम मिलेंगे, और क्या उनकी पार्टी, जैसा कि ले पेन ने सुझाव दिया था, आरएन द्वारा "समाप्त" हो जाएगी।

फ्रांस में सह-अस्तित्व सरकार (Cohabitation Government) का इतिहास

- अतीत में सह-अस्तित्वसरकारके तीन दौर रहे हैं:
- 7 जुलाई को दूसरे चरण के मतदान में RN की जीत से फ्रांस में द्वितीय विश्व युद्ध के बादपहली बार दक्षिणपंथी बहुमत वाली सरकार बनेगी, तथा 22 साल में पहली बार, इस बात की पूरी संभावना है कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, अलग-अलग पार्टी से होंगे।